भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

DIGITAL – EPAPER

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 | अंक - 177 | प्रधान संपादक - कपिल विजयवर्गीय | बिजौलिया - शुक्रवार, 19 दिसम्बर,2025 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4

अरावली बची तो जीवन बचेगा, बिना इसके भविष्य भयावह होगा : गहलोत

'आंधियों की ढाल है अरावली, इसे ऊंचाई के फीते से मत नापें'

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर उठे संकट के बीच पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अब खुलकर 'अरावली बचाओ मुहिम' के समर्थन में सामने आए हैं। गहलोत ने कहा कि अरावली सिर्फ पहाड़ों की श्रृंखला नहीं, बल्कि उत्तर भारत और राजस्थान की जीवनरेखा है। ये पहाड़ियां धूलभरी आंधियों को रोकने, प्रदूषण कम करने और एनसीआर सहित आसपास के शहरों के लिए फेफड़ों की तरह काम करती हैं।

गहलोत ने चेताया कि जब अरावली के रहते हालात इतने गंभीर हैं, तो इसके बिना स्थिति कितनी भयावह होगी, इसकी कल्पना भी डरावनी है।

दरअसल, बीते 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई नई परिभाषा के अनुसार आसपास की जमीन से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली भू-आकृति को ही अब अरावली पहाड़ी माना जाएगा। इस मानक के लागू होते ही अरावली की 90 प्रतिशत से अधिक पहाड़ियां संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएंगी। इसी फैसले

के बाद प्रदेशभर में अरावली संरक्षण को लेकर चिंता और विरोध तेज हो गया है।

गहलोत ने #सेव अरावली अभियान के समर्थन में अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल फोटो बदलते हुए कहा कि यह महज डीपी बदलना नहीं, बल्कि उस सोच के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध है, जो अरावली को फीते और ऊंचाई से मापना चाहती है। उन्होंने आमजन से भी इस मुहिम से जुड़ने की अपील की और कहा कि अरावली को उसकी ऊंचाई से नहीं, बल्कि उसके पर्यावरणीय योगदान के आधार पर आंका जाना चाहिए।पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट से भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए इस नई परिभाषा पर पुनर्विचार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अरावली की पहाड़ियां भूजल रिचार्ज की रीढ़ हैं। इसकी चट्टानें बारिश के पानी को जमीन के भीतर पहुंचाकर जल स्तर बनाए रखती हैं। यदि ये पहाड़ियां खत्म हुईं तो आने वाले समय में गंभीर जल संकट पैदा होगा, वन्यजीव लुप्त होंगे और पूरी पारिस्थितिकी असंतुलित हो जाएगी।

गहलोत ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टि से अरावली एक निरंतर पर्वत श्रृंखला है, जिसमें छोटी पहाड़ियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं जितनी ऊंची चोटियां। उन्होंने कहा कि जैसे दीवार से एक भी ईंट निकल जाए तो पूरी संरचना कमजोर हो जाती है, वैसे ही अरावली की छोटी पहाड़ियां भी इसकी सुरक्षा कवच का अहम हिस्सा हैं।

नई परिभाषा के बाद उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, सिरोही सहित 15 जिलों में पर्यावरण को लेकर गहरी चिंता पैदा हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे खनन, रियल एस्टेट और निर्माण गतिविधियां बढ़ेंगी, जिससे भविष्य में मेवाड़ के रेगिस्तान में बदलने का खतरा भी उत्पन्न हो सकता है। पर्यावरण विशेषज्ञों ने चेताया है कि अरावली के कमजोर होने से मरुस्थल का विस्तार होगा, गर्म हवाओं और लू का असर बढ़ेगा, बंगाल की खाड़ी से आने वाला मानसून प्रभावित होगा, भूकंप का असर ज्यादा महसूस होगा, नदियां सूखेंगी और खेती पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

भारतीय वन सर्वेक्षण के अनुसार राजस्थान में 12,081 अरावली पहाड़/टीले 20 मीटर या उससे अधिक ऊंचे हैं, लेकिन इनमें से केवल 1,048 पहाड़ियां ही 100 मीटर से अधिक ऊंची हैं। यानी 11 हजार से अधिक पहाड़ियां अरावली की परिभाषा से बाहर हो जाएंगी, जबकि 20 मीटर ऊंची पहाड़ियां भी हवा और रेत को रोकने वाली प्राकृतिक दीवार का कार्य करती हैं।

पतंग उड़ाते समय छत से गिरा 12 वर्षीय बालक, हालत गंभीर

भीलवाड़ा फोकस @ सावर

(दिलखुश) कस्बे के कोली मोहल्ले में गुरुवार को पतंग उड़ाते समय एक 12 वर्षीय बालक छत से नीचे गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही सावर की 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायल बालक को परिजनों की सहायता से सावर राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया गया।

चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद बालक की हालत गंभीर होने पर उसे केकड़ी जिला चिकित्सालय रेफर किया गया, जहां जांच में दोनों हाथों की हड्डियों में फ्रैक्चर होना पाया गया। चिकित्सकों के अनुसार बालक के हाथों का ऑपरेशन किया जाएगा।

घायल बालक की पहचान दुर्गेश पुत्र भागचंद कोली (उम्र 12 वर्ष), निवासी भीलवाड़ा के रूप में हुई है। वह वर्तमान में अपने ननिहाल सावर कस्बे के कोली मोहल्ले में आया हुआ था। दुर्गेश, मोहनलाल कोली का दोहिता है।

अवैध बजरी दोहन पर कार्रवाई ,दो चालक गिरफ्तार, डम्पर व जेसीबी मशीन जब्त

भीलवाड़ा फोकस @ आसींद।

थाना पुलिस द्वारा अवैध बजरी खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए दो चालकों को गिरफ्तार कर एक डम्पर एवं जेसीबी मशीन जब्त की गई है। यह कार्रवाई थानाधिकारी श्रद्धा पचौरी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा की गई। पुलिस जाप्ता ने गश्त के दौरान नेगड़िया रोड स्थित इंडेन गैस एजेंसी के पास, सरहद भैरूखेड़ा क्षेत्र में खारी नदी के पेटे में एक जेसीबी मशीन द्वारा डम्पर में अवैध रूप से बजरी भरते हुए पाया।

पुलिस को देख जेसीबी मशीन चालक एवं डम्पर चालक वाहन

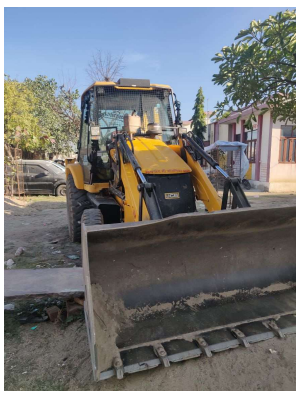

लेकर फरार होने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस जाप्ते की तत्परता से दोनों को मौके पर ही रोक लिया गया। पूछताछ में जेसीबी चालक ने

अपना नाम शैकुल पिता जाफर मेव, निवासी भूआपुर गढ़ी, भरतपुर तथा डम्पर चालक ने कमलेश पिता धर्मीचंद गुर्जर, निवासी रायरा भीलवाड़ा बताया।

मौके पर जेसीबी मशीन के बकेट में बजरी लगी हुई तथा डम्पर में लगभग 35 टन खनिज बजरी भरी हुई पाई गई। जब पुलिस द्वारा खनन से संबंधित लीज, रवन्ना अथवा अन्य वैध दस्तावेज मांगे गए तो दोनों चालक कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके।

इस पर पुलिस ने अवैध बजरी खनन में प्रयुक्त जेसीबी मशीन एवं डम्पर को जब्त कर लिया तथा दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना परिसर में खड़ा करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पर्यावरण संरक्षण की पहल : बजरी लीज धारक ने शुरू किया 10 हजार पौधों का रोपण, हाईवे किनारे बनेगा सघन वन

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव)। क्षेत्र में राजस्थान की पहली अनूठी पहल सामने आई है, जहां बजरी लीज धारक द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़े स्तर पर पौधारोपण शुरू किया गया है। बनास नदी के ब्लॉक बीजे-03 के बजरी लीज धारक द्वारा पर्यावरण कंप्लायंस के तहत आसपास की पंचायतों में 21 हजार छायादार एवं फलदार पौधे लगाए जा रहे हैं।

इस योजना के तहत आकोला ग्राम पंचायत के खजीना गांव में सवाईपुर-मांडलगढ़ नेशनल हाईवे-758 के किनारे 11 हेक्टेयर क्षेत्र में मियावाकी पद्धति से सघन वन विकसित किया जा रहा है, जहां वर्तमान में करीब 10 हजार पौधों का रोपण किया जा रहा है। क्षेत्र को पहले तारबंदी कर सुरक्षित किया गया है तथा पौधों की बेहतर वृद्धि के लिए देसी खाद और नारियल छिलकों का उपयोग किया जा रहा है।

लीज धारक द्वारा पौधों की पांच वर्षों तक देखरेख, सिंचाई के लिए टैंकर व बाद में बोरवेल की व्यवस्था तथा नियमित देखभाल के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति भी की जाएगी। इसके अलावा आकोला गांव में बनास नदी किनारे तेजाजी मंदिर परिसर एवं जीवा का खेड़ा पंचायत के चांदगढ़ गांव में भी बड़े पैमाने पर पौधारोपण की योजना है।

चारागाह विकास योजना के तहत हो रही यह पहल न केवल हरित क्षेत्र बढ़ाएगी, बल्कि भूजल स्तर सुधार, ग्रामीण रोजगार और आयवृद्धि में भी सहायक बनेगी। इस अभियान में आकोला प्रशासक शिवलाल जाट एवं जीवा का खेड़ा के पूर्व सरपंच शौभालाल जाट का विशेष सहयोग रहा है। यह पहल प्रदेश के अन्य लीज धारकों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनती नजर आ रही है।

नई सीसी सड़क पर पड़ी दरारें, नगर पालिका ने ठेकेदार को थमाया नोटिस

मानकहीन निर्माण पर सख्त रुख, टूटे हिस्सों को दोबारा बनाने के निर्देश

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलियां।

नगर पालिका क्षेत्र में हाल ही में बनी सीसी सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। सब्जी मंडी रोड से शंभु माली तक निर्मित सीसी रोड कुछ ही समय में टूटने लगी, जिसके बाद नगर पालिका प्रशासन ने निर्माण कार्य में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए ठेकेदार फर्म मैसर्स एसएम डवलपर्स, अलवर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी पंकज कुमार मंगल द्वारा

प्रतीकात्मक इमेज

जारी नोटिस में बताया गया है पलकी नदी पुलिया के सामने तथा बोहरा जी की बगीची के पास बनाई गई सीसी सड़क अभी से क्षतिग्रस्त होकर टूट गई है, जो स्पष्ट रूप से दोषपूर्ण निर्माण को दर्शाती है। ठेकेदार द्वारा कार्य के दौरान बारिश और पीएचईडी पाइपलाइन लीकेज को कारण बताया गया, लेकिन नगर पालिका प्रशासन ने इस दलील को सिरे से खारिज कर दिया है।

नोटिस में ठेकेदार को निर्देश दिए गए हैं कि क्षतिग्रस्त हिस्सों पर कट लगाकर पुनः नया सीसी कार्य तकनीकी मानकों के अनुरूप एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराया जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि भविष्य में यदि इस प्रकार की त्रुटिपूर्ण निर्माण की पुनरावृत्ति होती है तो संबंधित फर्म के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी ठेकेदार की होगी।

'भीलवाड़ा फोकस'

अपने शहर और गाँव के समाचार, सूचनाएँ, सार्वजनिक घोषणाएँ या विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें।

Mo.– 8696795959

Bhilwarafocus@gmail.com

BHILWARA FOCUS

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ

ग्रामीण सेवा फॉलोअप शिविर में भूमि विभाजन प्रकरण का हुआ त्वरित निस्तारण

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

मानव तिवाड़ी । उपखंड क्षेत्र के छोटी बिजौलिया स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में ग्रामीण सेवा फॉलोअप शिविर का आयोजन किया गया। शिविर उपखंड अधिकारी अजीत सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।शिविर के दौरान छोटी बिजौलियां की संबंधित भूमि विभाजन प्रकरण में अशोक, कंचन देवी, केशी, नंदकिशोर, पंकी, प्रकाश चंद्र एवं मुकेश द्वारा शिविर प्रभारी को प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया।प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उपखंड अधिकारी के निर्देशानुसार तहसीलदार ललित डीडवानिया द्वारा दोनों पक्षकारों की सहमति से मौके पर ही राजस्व अभिलेखों का परीक्षण किया गया तथा विधिसम्मत आदेश पारित करते हुए प्रकरण का तत्काल निस्तारण किया गया।

फोकस इम्पैक्ट: अजमेर-कोटा स्टेट हाईवे पर नालियों के गंदे पानी से हो रहे हादसों पर हरकत में आया नगरपालिका प्रशासन

भीलवाड़ा फोकस @ सावर

(दिलखुश)। अजमेर-कोटा स्टेट हाईवे पर सावर-केकड़ी रोड स्थित गाड़िया लोहार कॉलोनी की नालियों का गंदा पानी सड़क पर बहने से हो रही दुर्घटनाओं को लेकर भीलवाड़ा फोकस द्वारा प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किए जाने के बाद आखिरकार सावर नगरपालिका प्रशासन हरकत में आया। खबर सामने आने के बाद प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर दुरुस्तीकरण की कार्यवाही शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि गाड़िया लोहार कॉलोनी की नालियों का गंदा पानी लंबे समय से हाईवे पर फैल रहा था, जिससे सड़क की हालत बदतर हो गई थी और आए दिन दोपहिया व चारपहिया वाहन हादसों का शिकार हो रहे थे। इस गंभीर समस्या को लेकर नगरपालिका व सार्वजनिक निर्माण विभाग की लापरवाही उजागर होने के बाद अब प्रशासन ने सुधार कार्य शुरू किया है।

नगरपालिका की ओर से जेसीबी मशीन व सफाईकर्मियों की मदद से कॉलोनी से निकलने वाले नालों की सफाई कराई गई तथा सड़क पर जमा कचरे व मिट्टी के ढेर हटवाए गए। बताया गया कि कुछ लोगों द्वारा गंदे पानी की निकासी के लिए बने नालों में मिट्टी भर दी गई थी, जिससे पानी सड़क पर फैल रहा था।

हालांकि जहां एक ओर नगरपालिका प्रशासन की सक्रियता देखने को मिली है, वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक निर्माण विभाग की लापरवाही अब भी बनी हुई है। सूचना देने के बावजूद हाईवे पर बने गहरे गड्ढों को भरने व सड़क मरम्मत का कार्य अब तक शुरू नहीं किया गया है।स्थानीय नागरिकों एवं वाहन चालकों ने मांग की है कि सड़क की शीघ्र मरम्मत कर दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए

धार्मिक स्थल मार्ग से जुड़ी भूमि पर कब्जे का आरोप, माजी साहब का खेड़ा के ग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलियां।

तहसील क्षेत्र के ग्राम माजी साहब का खेड़ा के समस्त ग्रामवासियों ने धार्मिक स्थल मार्ग से जुड़ी भूमि पर हो रहे कथित अवैध अतिक्रमण को लेकर तहसील कार्यालय में तहसीलदार ललित डीडवानिया को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने संबंधित भूमि का सीमाज्ञान कराकर अतिक्रमण हटवाने की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि मौजा ग्राम गोपालपुरा, पटवार हल्का गोपालपुरा स्थित खाता संख्या 1 की आराजी खसरा संख्या 17 (रकबा 0.3966 हैक्टेयर) एवं आराजी खसरा संख्या 264 (रकबा 2.4524 हैक्टेयर) भूमि धार्मिक तीर्थस्थल तिलस्वां एवं धार्मिक तीर्थ स्थल श्री चारभुजा नाथ, माजी साहब का खेड़ा की मुख्य सड़क के दोनों ओर स्थित है। दोनों आराजियों के मध्य सड़क गुजरती है। ग्रामीणों का आरोप है कि आसपास के कुछ खातेदारों द्वारा उक्त भूमि पर अवैध अतिक्रमण कर हड़पने का प्रयास किया जा रहा है, जो पूरी तरह से गैरकानूनी है। ग्रामीणों ने बताया कि यह भूमि वर्षों से ग्रामवासियों के कब्जे व उपयोग में रही है तथा मवेशियों के चराई एवं भरण-पोषण के लिए उपयोग में ली जाती रही है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित आराजियों का शीघ्र सीमाज्ञान करवाकर अवैध अतिक्रमण हटवाया जाए तथा भूमि को सुरक्षित कराया जाए। ज्ञापन देते समय बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे । जयलाल , दीपक , अंकित , राधेश्याम , गोपाल , प्रकाश चंद्र, मांगीलाल , प्रभुलाल सहित कई लोग उपस्थित रहे ।

गौ सेवा की आड़ में सोशल मीडिया का दुरुपयोग, ग्रामीणों ने एसडीएम से की कार्रवाई की मांग

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलियां।

तहसील क्षेत्र के चांदजी की खेड़ी गांव में गौ सेवा को लेकर उपजा विवाद अब प्रशासन के दरवाजे तक पहुंच गया है। गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी अजीत सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए सोशल मीडिया पर गौ सेवा के नाम पर कथित दुरुपयोग, गाली-गलौच, धमकी और हिंसा भड़काने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

ग्रामीणों के अनुसार 17 दिसंबर को गांव में छह आवारा बैल खेतों में घुस आए, जिससे किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ। परेशान ग्रामीणों ने बैलों को पकड़कर तिलस्वां नाथ गौशाला में छोड़ने की पहल की, ताकि समस्या का शांतिपूर्ण समाधान हो सके। लेकिन यह प्रयास उस समय विवाद में बदल गया, जब बिजौलियां नगर से कुछ युवक मौके पर पहुंचे, जो सोशल मीडिया पर 'निष्काम गौ सेवा बिजोलिया' नाम से अकाउंट संचालित करते हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि इन युवकों ने बिना पूरी जानकारी के अभद्र भाषा का प्रयोग किया, गाली-गलौच की और मौके पर ही वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिए। समझाने के बावजूद युवक नहीं माने और व्यूज व लोकप्रियता के लिए वीडियो बनाकर माहौल को भड़काने का प्रयास किया।

ग्रामीणों का कहना है कि गौ सेवा की आड़ में सोशल मीडिया पर सनसनी फैलाकर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। इतना ही नहीं, अवैध वसूली की मांग करने और झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकियां देने जैसे आरोप भी ज्ञापन में लगाए गए हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन को बताया कि क्षेत्र में आवारा बैलों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। किसान दिन-रात खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं, इसके बावजूद फसलें सुरक्षित नहीं हैं। ऐसे में गौशाला में बैल छोड़ना उनकी मजबूरी है, न कि अपराध। ग्रामीणों ने एसडीएम से मांग की कि गौ सेवा के नाम पर सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि ग्रामीणों को न्याय मिल सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ज्ञापन सौंपने के दौरान गांव की बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष मौजूद रहे, जिनमें आक्रोश के साथ न्याय की उम्मीद साफ झलक रही थी।

एनएसएस का एक दिवसीय शिविर संपन्न

रचनात्मक गतिविधियों, स्वच्छता अभियान व नशा मुक्ति का दिया संदेश

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलियां।

राजकीय महाविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का एक दिवसीय शिविर एनएसएस प्रभारी सहायक प्रोफेसर प्रमोद भूकर के नेतृत्व में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न रचनात्मक, सामाजिक एवं जनहितकारी गतिविधियों का आयोजन किया गया।

शिविर के अंतर्गत विद्यार्थियों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने हेतु निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वहीं, राजस्थान सरकार के गौरवमयी दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके तहत स्वयंसेवकों एवं स्टाफ द्वारा परिसर की साफ-सफाई की गई। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर में लगाए गए पौधों को पानी देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही नशा मुक्ति अभियान के तहत सहायक प्रोफेसर प्रमोद भूकर ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए प्रेरक व्याख्यान दिया।शिविर में महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य आदित्य देव वैष्णव, सहायक प्रोफेसर महेंद्र राज एवं रजनीश सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। वहीं स्वयंसेवक देवेंद्र, दुर्गाशंकर, प्रिया, ज़ोहरा बानो एवं प्रियांशी ने सक्रिय भूमिका निभाई।

मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण संरक्षण के विविध कार्यक्रम आयोजित

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) थीम के तहत जिला प्रशासन एवं राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, के संयुक्त तत्वावधान में जिलेभर में पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रमों के तहत नगर निगम द्वारा क्लीन ड्राइव चलाकर 1300 किलो सिंगल यूज़ प्लास्टिक जब्त किया गया। वहीं सरकारी व निजी विद्यालयों में प्रभातफेरी, निबंध, प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। विज्ञान शिक्षकों का पेट बोतल रीसाइक्लिंग एवं एसटीपी प्लांट का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया तथा रसद विभाग ने कपड़े के थैले वितरित किए।

कार्यक्रम श्रृंखला का मुख्य आयोजन मेवाड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, भीलवाड़ा में हुआ, जिसमें विधायक अशोक कोठारी विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य वक्ता पद्मश्री हिम्मताराम भांभू ने पर्यावरण संरक्षण पर प्रेरक विचार रखे। इस अवसर पर पर्यावरणविद् डॉ. अनिल मेहता एवं समाजसेवी डॉ. श्रद्धा गट्टानी ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी, उद्योगपति एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

QUICK BITES

राष्ट्रीय डिजिटल आर्ट प्रदर्शनी में भीलवाड़ा की दीपिका पाराशर का चयन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

शहर की उभरती कलाकार दीपिका पाराशर का चयन ऑल इंडिया फाइन आर्ट एंड क्राफ्ट सोसायटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 13वीं डिजिटल आर्ट एग्जिबिशन-2026 के लिए हुआ है। यह राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी 17 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित होगी, जिसमें देशभर से चयनित 81 कलाकार अपनी डिजिटल कृतियों का प्रदर्शन करेंगे। दीपिका की चयनित डिजिटल आर्ट कृतियां दीपसी एवं गोइंग विद फ्लो भावनात्मक अभिव्यक्ति, आधुनिक तकनीक और कलात्मक संतुलन का सशक्त उदाहरण मानी जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि दीपिका पाराशर की कृतियां पूर्व में भी देश की कई प्रतिष्ठित कला प्रदर्शनियों में चयनित होकर सराहना प्राप्त कर चुकी हैं। कला जगत से जुड़े लोगों ने इसे भीलवाड़ा के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए दीपिका के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

श्मशान भूमि के रास्ते पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों में रोष ,विकास अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा फोकस @ सावर

(दिलखुश) ग्राम पंचायत कुशायता में श्मशान भूमि तक जाने वाले रास्ते पर हुए अतिक्रमण के चलते ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। गुरुवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए अतिक्रमण हटाने, श्मशान भूमि की नाप करवाने तथा सड़क निर्माण कार्य सही व निर्धारित मार्ग पर करवाने की पुरज़ोर मांग की।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि श्मशान भूमि तक पहुंचने वाला मूल सार्वजनिक रास्ता कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमित कर लिया गया है। इसके बावजूद ग्राम पंचायत द्वारा अतिक्रमण हटाए बिना ही सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जो भविष्य में गंभीर विवाद का कारण बन सकता है और आमजन को भारी परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

ग्रामीणों का कहना है कि श्मशान भूमि सार्वजनिक उपयोग की भूमि है और उससे जुड़ा रास्ता धार्मिक, सामाजिक और मानवीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि सड़क गलत दिशा में बनाई गई तो अंतिम संस्कार सहित अन्य आवश्यक कार्यों में बाधा उत्पन्न होगी। इस संबंध में पूर्व में भी ग्राम पंचायत को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

ग्रामीणों ने मांग की कि राजस्व विभाग से श्मशान भूमि की तत्काल नाप करवाई जाए, अतिक्रमण को हटाकर सड़क का निर्माण मूल एवं सही रास्ते पर ही कराया जाए। साथ ही, जांच पूर्ण होने तक वर्तमान में चल रहे सड़क निर्माण कार्य को तुरंत प्रभाव से रोकने की भी मांग की गई।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया और सड़क को गलत स्थान पर बनाया गया, तो किसी भी अप्रिय स्थिति की संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

ज्ञापन देते समय रामेश्वर, धर्मराज, सुरेश सुथार, प्रमेश्वर जाट, दिनेश, भंवर, भागचंद सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

भीलवाड़ा फोकस
भीलवाड़ा की बात फोकस के साथ

एक सशक्त पत्रकारिक मंच से जुड़ने का सुनहरा अवसर!

"भीलवाड़ा फोकस" को अपने नेटवर्क के विस्तार हेतु योग्य एवं उत्साही संवाददाताओं की जहाजपुर | गुलाबपुरा | आसिंद | मांडल | गंगापुर | माण्डलगढ़ । बदनौर सहित भीलवाड़ा जिला मुख्यालय पर अनुभवी क्राइम रिपोर्टर की आवश्यकता है ।

क्या आपके पास है –
- समाचारों को पकड़ने की तेज़ नजर ?
- निष्पक्षता, निडरता और पत्रकारिता के प्रति समर्पण ?
- डिजिटल रिपोर्टिंग या प्रिंट मीडिया का अनुभव ?

तो फिर देर किस बात की? अभी जुड़िए - "भीलवाड़ा फोकस" परिवार के साथ।

संपर्क करें: मो. 8696795959 ईमेल: bhilwarafocus@gmail.com
वेब: www.bhilwarafocus.com

राजगढ़ में 2 दिवसीय एसएमसी - एसडीएमसी प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

विद्यालय प्रबंधन व शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार पर दिया गया विशेष जोर

भीलवाड़ा फोकस @ काछोला ।

क्षेत्र के राजगढ़ स्थित पीईईओ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अधीनस्थ विद्यालयों की विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) एवं विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति (एसडीएमसी) के सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण शिविर का गुरुवार को समापन हुआ।

प्रशिक्षण शिविर में पीईईओ क्षेत्र के अधीनस्थ 9 विद्यालयों के कुल 54 एसएमसी एवं एसडीएमसी सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की। शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यालय प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना तथा राज्य सरकार की विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं की विस्तृत जानकारी देना रहा।

कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य शिवराज मीणा एवं उपप्रधानाचार्य शोभागमल मीणा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। दो दिवसीय प्रशिक्षण में संदर्भ व्यक्ति हरिराम जाट ने एसएमसी-एसडीएमसी की भूमिका, अधिकारों एवं दायित्वों पर विस्तार से जानकारी देते हुए सदस्यों को व्यवहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रशिक्षण शिविर का संचालन स्थानीय विद्यालय के अध्यापक मोहम्मद अली रंगरेज द्वारा किया गया।

कथावाचक अरुणाचार्य महाराज का रामनिवास धाम पर आगमन, संप्रदाय पर हुआ आत्मीय विमर्श

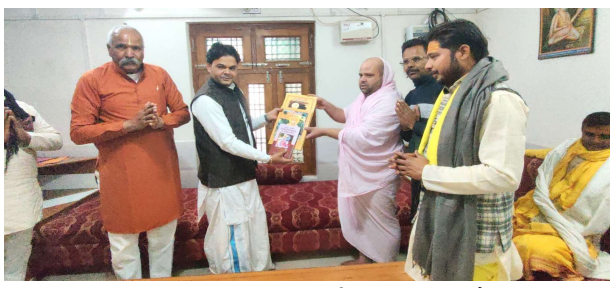

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी

नगर की पावन धरा इन दिनों आध्यात्मिक चेतना और भक्ति रस से सराबोर है। मालिनी वाटिका में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को कथारस का पान करा रहे मथुरा के सुप्रसिद्ध कथावाचक पं. अरुणाचार्य महाराज ने रामनिवास धाम पहुंचकर स्तंभजी के दर्शन किए तथा संप्रदाय की परंपराओं की जानकारी प्राप्त की। रामद्वारा पहुंचने पर अरुणाचार्य महाराज ने कहा कि राम नाम का सुमिरन ही भक्ति का सर्वोच्च मार्ग है, जो मनुष्य को जीवन में शांति, संतुलन और आत्मिक बल प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि रामनिवास धाम जैसे आध्यात्मिक स्थल साधना, स्वाध्याय, चिंतन और आत्मिक उन्नति के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं।

इस अवसर पर उनकी भेंट रामनिवास धाम के भंडारी संत नवनिधराम महाराज से हुई। दोनों संतों के मध्य गहन आध्यात्मिक संवाद हुआ, जिसमें संप्रदाय की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की परंपराओं, साधना पद्धति तथा सामाजिक योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई।

संत नवनिधराम महाराज ने कथावाचक को संप्रदाय के इतिहास, नियमों एवं रामनिवास धाम परिसर के प्रत्येक पावन स्थल की जानकारी प्रदान की। रामद्वारा परिसर में अरुणाचार्य महाराज का संत नवनिधराम महाराज, सूर्यप्रकाश बिड़ला एवं नारायण सिंह द्वारा शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। साथ ही संप्रदाय का साहित्य एवं प्रसाद भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। यह अवसर श्रद्धा, सम्मान और साधना के त्रिवेणी संगम का साक्षी बना।

कथावाचक अरुणाचार्य महाराज के साथ उनकी पूरी टीम भी उपस्थित रही। इस दौरान रामद्वारा प्रबंधन से जुड़े सूर्यप्रकाश बिड़ला, नारायण सिंह, पूर्व शिक्षा उपनिदेशक तेजपाल उपाध्याय, महावीर प्रसाद दीक्षित सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्यजन मौजूद रहे।

सूरजपुरा में सप्त कुण्डीय विष्णु महायज्ञ व कलश स्थापना महोत्सव 21 से

7 दिवसीय आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव)। कोटड़ी-भीलवाड़ा मार्ग पर स्थित सूरजपुरा गांव में श्री मोचड़िया का मंड देवनारायण भगवान के मंदिर परिसर में सप्त कुण्डीय श्री विष्णु महायज्ञ, मंदिर पूर्णाहुति एवं स्वर्ण कलश स्थापना महोत्सव का भव्य आयोजन रविवार 21 दिसंबर से प्रारंभ होगा। यह सात दिवसीय धार्मिक आयोजन महंत सुरेश दास महाराज (पीठाधीश्वर, अंतर्राष्ट्रीय तीर्थ स्थल सवाई भोज), श्री देवनारायण मंदिर ट्रस्ट आसींद तथा महंत दीपक पुरी महाराज (सरसड़ी मठ) के सानिध्य में संपन्न होगा।

मंदिर के उपासक देवराज सिंह कानावत ने बताया कि महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने के लिए यज्ञ मंडप, भोजन पांडाल, धर्मसभा स्थल, वाहन पार्किंग, लाइट डेकोरेशन और पेयजल सहित विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए समितियां गठित कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए डोलर, चकरी एवं झूलों के लिए भी अलग स्थान निर्धारित किया गया है। सात दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

कानावत ने बताया कि पिछले तीन दिनों से मंदिर परिसर में महिलाएं मंगल गीत गाते हुए गेहूं की सफाई कर रही हैं, वहीं समाजसेवियों एवं श्रद्धालुओं का निरंतर आगमन हो रहा है। आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है तथा कई संत-महात्माओं के आगमन का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

महोत्सव का शुभारंभ रविवार 21 दिसंबर को सुबह 11.15 बजे कोटड़ी स्थित चारभुजा नाथ मंदिर से 1151 महिलाओं की भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। इसके बाद 21 दिसंबर को बगड़ावत कथा में बाबू खां एंड पार्टी, 22 दिसंबर को मुकेश माली पार्टी द्वारा सत्संग, 23 दिसंबर को पप्पू गाडरी एंड पार्टी द्वारा बगड़ावत कथा, 24 दिसंबर को मोहन दास जी महाराज द्वारा भजन संध्या, 25 दिसंबर को उत्तर मुख्य बालाजी मंदिर कमेटी कोटड़ी द्वारा सुंदरकांड पाठ तथा 26 दिसंबर को बद्रीलाल गाडरी एंड पार्टी द्वारा बगड़ावत कथा का आयोजन किया जाएगा।

महोत्सव के समापन अवसर पर 27 दिसंबर को दोपहर 2.15 बजे कलश स्थापना एवं पूर्णाहुति संपन्न होगी, जिसके पश्चात महाप्रसादी भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ता पूरे उत्साह और समर्पण के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं।

श्रमिक डायरी निरस्तीकरण पर पत्थर मजदूरों ने उठाई आवाज

13 श्रमिकों के आवेदन निरस्त, उप श्रम आयुक्त से समाधान की मांग

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

बिजौलिया क्षेत्र के ऊपरमाल पत्थर मजदूर संगठन से जुड़े श्रमिकों ने श्रमिक डायरी (बीओसीडब्ल्यू बोर्ड) से संबंधित समस्याओं को लेकर उप श्रम आयुक्त, श्रम विभाग से मुलाकात की। संगठन से जुड़े 13 श्रमिकों के श्रमिक डायरी आवेदन तकनीकी कारणों से निरस्त हो गए थे, जिन्हें पुनः ओपन कराने की मांग रखी गई।

मजदूर संगठन ने बताया कि ये श्रमिक वर्षों से खदानों में पत्थर खोलने व ब्लॉक तैयार करने जैसे जोखिमपूर्ण कार्य कर रहे हैं तथा आर्थिक रूप से कमजोर हैं। श्रमिकों ने श्रमिक डायरी मिलने से बच्चों की शिक्षा एवं बीमा सुरक्षा में मदद मिलने की बात कही। उप श्रम आयुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान नंदलाल भील, साबुनाथ व राजू बंजारा सहित संगठन के कई सदस्य उपस्थित रहे।

पर्यावरण जागरूकता रैली व प्रभातफेरी आयोजित

छात्रों ने दिए स्वच्छता, जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्ति के संदेश

भीलवाड़ा फोकस @ आसींद।

माध्यमिक शिक्षा राजस्थान के निदेशक के निर्देशानुसार उपखंड क्षेत्र की पड़ासोली ग्राम पंचायत स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनजागरूकता के उद्देश्य से पर्यावरण जागरूकता रैली एवं प्रभातफेरी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवदर्शन सिंह खिंची द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना करने के साथ हुआ। प्रभातफेरी एवं रैली में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए प्लास्टिक छोड़ो, पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ, जल है तो कल है तथा स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ जीवन जैसे नारों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर उपप्राचार्य मुकेश कुमार मीना ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण और प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े बदलाव संभव हैं।

प्रधानाचार्य शिवदर्शन सिंह खिंची ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण-अनुकूल आदतों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं तथा समाज को भी इसके लिए प्रेरित करें। रैली विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर आसपास के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए पुनः विद्यालय परिसर में संपन्न हुई। रैली के समापन के बाद विद्यालय परिसर में एक संक्षिप्त सभा का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ नितिन कुमार सैनी, दिनेश कुमार शर्मा, सुरेन्द्र सिंह राठौर, महावीर लौहार, राहिल शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

गुरु रविदास मंदिर निर्माण समिति की बैठक संपन्न

भीलवाड़ा फोकस @ बीगोद।

ऐरवाल रैदास समाज द्वारा गुरु रविदास जयंती आयोजन एवं गुरु रविदास मंदिर निर्माण कार्य को लेकर त्रिवेणी संगम स्थित मंदिर स्थल पर मंदिर निर्माण समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के वरिष्ठजनों एवं कार्यकर्ताओं ने जयंती आयोजन की रूपरेखा और मंदिर निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।

बैठक को संबोधित करते हुए धनराज ऐरवाल ने बताया कि गुरु रविदास मंदिर का निर्माण कार्य पिछले कुछ समय से विभिन्न कारणों के चलते रुका हुआ था, जिसे गुरु रविदास जयंती के पश्चात पुनः सुचारू रूप से प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से निर्माण कार्य में सक्रिय सहयोग की अपील की।

इस अवसर पर जीवन ऐरवाल ने मंदिर निर्माण स्थल पर मुख्य द्वार (गेट) लगवाने की आवश्यकता बताते हुए समाज के भामाशाहों से तन, मन और धन से सहयोग करने का आह्वान किया, ताकि मंदिर परिसर को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाया जा सके।

बैठक में रामनारायण ऐरवाल ने गुरु रविदास मंदिर निर्माण समिति की कार्यकारिणी गठित करने का प्रस्ताव रखा। उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अगली बैठक में कार्यकारिणी के गठन का निर्णय लिया।

बैठक में धनराज ऐरवाल, जीवन ऐरवाल, मांगीलाल ऐरवाल, रोडूलाल, श्रवण, रामनारायण, कैलाश, कन्हैयालाल, धुलीलाल, मथुरालाल सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

विधायक की पहल से मांडलगढ़ अस्पताल की डायलिसिस मशीन हुई दुरुस्त

नई सोनोग्राफी मशीन भी उपलब्ध, मरीजों को मिला बड़ा लाभ

भीलवाड़ा फोकस @ मांडलगढ़

उप जिला चिकित्सालय मांडलगढ़ में लंबे समय से खराब पड़ी डायलिसिस मशीन को विधायक गोपाल खंडेलवाल के प्रयासों से दुरुस्त करवा दिया गया है। मशीन के पुनः चालू होने से अब क्षेत्रवासियों को डायलिसिस सुविधा का लाभ स्थानीय स्तर पर मिल सकेगा।

विधायक गोपाल खंडेलवाल की पहल पर उप जिला चिकित्सालय को एक नई सोनोग्राफी मशीन भी स्वीकृत होकर उपलब्ध करवाई गई है। इसके साथ ही वर्तमान में अस्पताल में डायलिसिस एवं सोनोग्राफी दोनों सुविधाएं आमजन के लिए उपलब्ध हो गई हैं, जिससे मरीजों को अब बाहर भटकने की आवश्यकता नहीं रहेगी।

इस संबंध में गुरुवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामकेश गुर्जर ने उप जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गुर्जर ने अस्पताल की समस्त चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और उन्हें सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के समय ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गोपाल लाल यादव, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष पुरोहित सहित अन्य चिकित्सा व नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहा।

ग्रीन एनर्जी व ऊर्जा बचत पर सेमिनार आयोजित

लघु उद्योग भारती व स्वनीति इनिशिएटिव का संयुक्त आयोजन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

लघु उद्योग भारती भीलवाड़ा एवं स्वनीति इनिशिएटिव द्वारा उद्योगों में ऊर्जा की आधुनिक व कम लागत वाली तकनीकों, ऊर्जा बचत, सरकारी योजनाओं, सब्सिडी, फाइनेंस स्कीम तथा ग्रीन एनर्जी को लेकर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने कहा कि ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में सहयोग के लिए राज्य सरकार सदैव तत्पर है। वहीं सीनियर स्ट्रेटजिक एडवाइजर डॉ. भास्कर नटराजन ने पावर प्रेजेंटेशन के माध्यम से ऊर्जा ऑडिट, कुशल उपकरण, तकनीक उन्नयन एवं पर्यावरण अनुपालन से ऊर्जा बचत के बेहतर परिणामों की जानकारी दी। श्रीमती जयंती गोयला ने नेट-जीरो पर अपने विचार रखे।

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय महासचिव ओमप्रकाश गुप्ता ने संगठन को मजबूत बनाने, सदस्य संख्या बढ़ाने और विभागों से समन्वय स्थापित कर उद्योगों को अधिक सहयोग देने पर जोर दिया। कार्यक्रम में चित्तौड़ प्रांत अध्यक्ष महेश हुरकट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, उद्योगपति एवं लघु उद्योग भारती के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन सुमित जागेटिया एवं कविता जागेटिया ने किया।

बांसवाड़ा में होने वाले शिक्षक सम्मेलन के लिए सावर के शिक्षक हुए रवाना

भीलवाड़ा फोकस @ सावर

(दिलखुश) । राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के तत्वावधान में 19 व 20 दिसंबर को बांसवाड़ा में आयोजित होने वाले दो दिवसीय राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मेलन में भाग लेने के लिए सावर उपशाखा के शिक्षक गुरुवार शाम रवाना हुए। दल का नेतृत्व उपशाखा अध्यक्ष प्रहलाद कुमावत ने किया।

उपशाखा मंत्री मदनलाल मीणा ने बताया कि सम्मेलन में प्रदेशभर से सैकड़ों शिक्षक भाग लेंगे, जहां शिक्षकों की कार्य परिस्थितियों, पदोन्नति, स्थानांतरण नीति, संसाधनों की कमी और डिजिटल नवाचार जैसे विषयों पर चर्चा व कार्यशालाएं आयोजित होंगी। सम्मेलन को शिक्षकों के लिए संवाद व समन्वय का महत्वपूर्ण मंच बताया गया है।

QUICK BITES

पालनहार योजना की राशि 12 माह से अटकी, परिवार परेशान

भीलवाड़ा फोकस @ शक्करगढ़।

बाकरा गांव में पालनहार योजना के तहत दो बच्चों की राशि 12 माह बाद भी जारी नहीं होने से परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा है। पीड़ित लादूलाल रैगर ने बताया कि उनके पोत्रों अभिषेक रैगर व अंशु रैगर के लिए जनवरी 2025 में आवेदन किया गया था, लेकिन बार-बार जहाजपुर व भीलवाड़ा समाज कल्याण विभाग के चक्कर लगाने के बावजूद केवल आश्वासन ही मिले। परिजनों ने बताया कि खेती की जमीन डूब क्षेत्र में आने से आय का कोई स्थायी साधन नहीं बचा है और सरकारी सहायता ही एकमात्र सहारा थी। भीलवाड़ा तक शिकायत के बाद भी राशि नहीं मिलने पर विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। पीड़ित परिवार ने लंबित राशि शीघ्र जारी करने की मांग की है।

सुवाणा विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव):- क्षेत्र के सुवाणा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से कक्षा 12 वी कृषि के विद्यार्थियों ने एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया । सूरज सेन ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुवाणा के कक्षा 12 ह्यूद्ध कृषि विद्यार्थी कक्षा अध्यापक रीमा जाट द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र तथा महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी कृषि विज्ञान व तकनीकी उदयपुर में ले गये, जहां विद्यार्थी पशु की नस्ल, वर्मी कंपोस्ट बनाने की विधि फलों की किस्म, फलों में ग्राफ्टिंग, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, जैविक खेती, पोली हाउस, ग्रीन हाउस आदि कई के बारे में विस्तार से जानकारी ली ।।

बिजौलिया में 24 दिसंबर तक ग्रामीण सेवा फॉलोअप शिविरों का होगा आयोजन

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

मानव तिवाड़ी । राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से उपखण्ड क्षेत्र में ग्रामीण सेवा शिविरों के फॉलोअप शिविरों का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर 24 दिसंबर तक विभिन्न ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर आयोजित होंगे। उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट अजीत सिंह राठौड़ ने बताया कि इन शिविरों का आयोजन प्रत्येक भू-अभिलेख निरीक्षक वृत्त मुख्यालय पर किया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को राजस्व, भूमि संबंधी एवं अन्य प्रशासनिक समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर मिल सके।

शिविर कार्यक्रम के अनुसार 19 दिसंबर को तिलस्वां, कांस्या, गुढ़ा व मकरेड़ी पंचायतों के लिए भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में शिविर लगेगा। वहीं 22 दिसंबर को उमाजी का खेड़ा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में उमाजी का खेड़ा, सदारामजी का खेड़ा, गोपालपुरा, विक्रमपुरा, लक्ष्मीखेड़ा, माल का खेड़ा व भोपतपुरा पंचायतों को शामिल किया गया है। अंतिम दिन 23 दिसंबर को पंचायत समिति सभागार, बिजौलिया में बिजौलियां कलां क्षेत्र का शिविर आयोजित होगा।

उपखण्ड अधिकारी ने बताया कि सभी शिविरों में छाया, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, कंप्यूटर एवं प्रिंटर सहित आवश्यक संसाधन उपलब्ध रहेंगे। साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहेंगे ताकि आमजन की शिकायतों का शीघ्र निस्तारण किया जा सके। शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

मॉडल विद्यालय के विद्यार्थियों का अंतर जिला शैक्षणिक भ्रमण आयोजित

कोटा के धार्मिक व सांस्कृतिक स्थलों का कराया गया भ्रमण

भीलवाड़ा फोकस @ मांडलगढ़।

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के आदेशानुसार स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल विद्यालय, के विद्यार्थियों को अंतर जिला एकदिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के तहत कोटा के प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक स्थलों का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने त्रिकुटा माता, सिटी पार्क, रिवर फ्रंट एवं सेवन वंडर का अवलोकन किया। त्रिकुटा माता की गुफाओं को देखकर विद्यार्थियों ने साक्षात माता वैष्णो देवी के दर्शन जैसा अनुभव किया। ऑक्सीजन पार्क में बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझा, वहीं रिवर फ्रंट पर राजस्थानी स्थापत्य कला एवं संस्कृति की जानकारी प्राप्त की। सेवन वंडर में विश्व के सात आश्चर्यों को एक ही स्थान पर देखकर विद्यार्थियों ने विशेष आनंद महसूस किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह राणावत ने बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ शैक्षणिक भ्रमण अत्यंत आवश्यक है। इससे बच्चे खुले एवं मुक्त वातावरण में सीखते हुए स्थानीय, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्कृति से परिचित होते हैं। शैक्षणिक भ्रमण में भ्रमण प्रभारी रमेश मीणा, शिमला, दीक्षा साहू एवं नीलकमल पटवा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।